धर्म नगरी बना आमेट

संयम पथ पर दो मुमुक्षु, गाजे-बाजे से निकली दोनों की शोभायात्रा, उमडा जन सैलाब, आचार्यश्री महाश्रमण आज देंगे चार को दीक्षा, 27 वर्श बाद पुनः होगी इतिहास की पुनरावृति

आमेटः 1 फरवरी

बैण्ड बाजों से बिखरती स्वर लहरियां, तेरापंथ का जयघोष और कतारबद्ध निर्धारित गणवेश धारण कर चलता काफिला। यह मनभावन दृश्य था आमेट नगर का। यह अवसर था इस धरा पर 27 वर्ष बाद दी जा रही चार दीक्षाओं के एक दिन पूर्व का। सांसारिक माया मोह का परित्याग कर संयम की राह पर निकली दो मुमुक्षुओं की शोभायात्रा बुधवार दोपहर को निकाली गई। इसमें देश, प्रदेश और मेवाड के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों का सैलाब उमड पडा। भौतिक संसाधनों को छोड त्याग और तपस्या के मार्ग पर निकली दोनों मुमुक्षुओं का नगरवासियों ने भी स्वागत किया। गांधी चौक से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के सब्जी मंडी, राम चौक, तकिया रोड, लक्ष्मी बाजार होते हुए जवाहर नगर स्थित अहिंसा समवसरण पहुंची, जहां आचार्यश्री महाश्रमण ने दोनों मुमुक्षुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

जयकारा और झूमा श्रावक समाज

शोभायात्रा जहां-जहां से गुजरी वहां-वहां लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत कर वातावरण में उल्लास भर दिया। इस दौरान कार्यकर्ता जोश में झूमते नजर आ रहे थे। 27 साल के अंतराल के बाद बुधवार को दीक्षा समारोह के एक दिन पूर्व निकली इस शोभायात्रा की एक झलक देखने के लिए मानो जनता उमड ही पडी। शोभायात्रा मार्ग में तिल देने तक की जगह नहीं थी। लोग घरों और दुकानों की छतों पर चढकर हर नजारे को देख रहे थे। श्रावक समाज, युवा और संगठनों के कार्यकर्ता गगनभेदी नारे लगाकर वातावरण में जोश भर रहे थे। मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति, तेरापंथी सभा, भिक्षु मित्र मंडल मुंबई आमेट, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ कन्या मंडल, तेरापंथ किशोर मंडल के कार्यकर्ता निर्धारित गणवे-ा में एक अलग ही पहचान का आभास करा रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह अन्य समाज के लोगों ने भी स्वागत किया। दोनों मुमुक्षु रथ में सवार थी। आगे बैण्डबाजें की मधुर धुन और नाचते गाते युवा कार्यकर्ता का जो-ा देखते ही बन रहा था। महिलाएं कतारबद्ध होकर तेरापंथ के गीत का संगान कर रही थी। वहीं कन्या मंडल की सदस्याएं नेमाजी के लाल ने घणी-घणी खम्मा के जयघोश से वातावरण को भक्तिमय बना रही थी।

आज दोहराया जाएगा इतिहास

आमेट की पावन नगरी में गुरुवार का दिन कुछ खास ही होगा। एक साथ चार दीक्षाएं यहां पर इससे पहले वर्श 1985 में गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी के चातुर्मास के दौरान हुई थी। अब चार दीक्षाएं आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में होगी। समारोह में मुमुक्षु हेमाक्षीकुमारी आंचलिया को समण दीक्षा, पूर्वोत्तर राज्य ओडिसा के तुशरा गांव निवासी मुमुक्षु ज्योति को दीक्षा, साथ ही श्रेणी आरोहण कर समणी मुदितप्रज्ञा को साध्वी तथा समण गौतमप्रज्ञ को साधु दीक्षा दी जाएगी। इस ऐतिहासिक क्षण को अविस्मरणीय बनाने के लिए व्यवस्था समिति संयोजक धर्मचंद खाब्या, सह संयोजक सलील लोढा, कोशाध्यक्ष मनसुख गेलडा, ज्ञाने-वर मेहता, दलीचंद कच्छारा, कंवरलाल रांका, आवास व्यवस्था समिति के संयोजक अ-ोक गेलडा, पराम-र्ाक गोगालाल चौधरी, बाबूलाल गांधी, तेरापंथ युवक परिशद के अध्यक्ष प्रवीण ओस्तवाल, महावीर हिरण, संतोश भण्डारी, दीपक कोठारी, संजय बोहरा, संदीप हिंगड, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गेलडा, मंत्री रेणु छाजेड, कोशाध्यक्ष मीना गेलडा, सदस्य निर्मला मेहता, कन्या मंडल की ममता पीतलिया, स्वीटी दक, खु-ाबू गेलडा, तेरापंथी सभा अध्यक्ष कन्हैयालाल कच्छारा, तेजप्रका-ा कोठारी, इन्द्रमल गेलडा, -ांतिलाल बाफना आदि दिनभर तैयारियों में जुटे रहे और व्यवस्थाओं को अंतिम रुप दिया।